THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Najmaji, you sat in this Chair for 17 years. You tell me whether I am not going by rules or I am violating the rules. So, that is the issue. ...(*Interruptions*)...

DR. NAJMA A. HEPTULLA : I have done it many times. ...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): You see, every Zero Hour issue is taken note of by the Government. ...(*Interruptions*)... You know that it is not necessary that they should respond. ...(*Interruptions*)... It is not required that they should respond. ...(*Interruptions*)... It is up to the Government. ...(*Interruptions*)...

श्री थावर चन्द गहलोत (मध्य प्रदेश) : सर, हाउस की परिस्थिति को देखते हुए, आप सरकार से यह तो पूछ लें कि वह कुछ कहना चाहती है या नहीं? **...(व्यवधान)...**

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Don't insist. ...(*Interruptions*)... This way, I will be forced to adjourn the House. ...(*Interruptions*)... Your Zero Hour will go. ...(*Interruptions*)... Please. I will be forced to adjourn the House. ...(*Interruptions*)... आप बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...** Hon. Members have raised a point. It is on record and the Government has taken note of it. That is enough. ...(*Interruptions*)... Now, Shri Tarun Vijay.

Issue of Ambassadors of European Union visiting Nagaland without permission from Home Ministry

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस बात से बहुत दु:खी हूं कि भारत की राष्ट्रीयता कश्मीर से नागालैंड तक आहत हो रही है। एक समय था जब गुरू तेग बहादुर साहब ने कश्मीर के हिन्दुओं की पुकार सुनकर, अपने बलिदान से हिन्द की चादर बनने का एक महान गौरव प्राप्त किया था।*

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : No, Mr. Tarun Vijay, it is not going on record. ...(*Interruptions*)... Your subject is visit of Ambassadors of European Union to Nagaland. ...(*Interruptions*)... That is your subject.

श्री तरुण विजय : सर, यूरोपियन देशों के 8 राजदूत नागालैंड में जाते हैं। वे नागालैंड में जाकर ईसाई संस्थाओं से मिलते हैं। वे साम्प्रदायीकरण करते हैं। इस पर भारत सरकार का गृह मंत्रालय विरोध प्रकट करता है। वह विदेश मंत्रालय को लिखता है कि ये राजदूत वहां पर क्यों गये। वे वहां पर बिना अनुमति के जा रहे हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों से यह अखबारों में छपता है। सर, आप ही की सरकार है। वे कहते हैं कि नागालैंड में राजनैतिक समस्या है, विभाजन की समस्या है, आतंकवाद की समस्या है, विद्रोह की समस्या है। NSCN (IM) and NSCN-Khaplang गुटों में झगड़े चल रहे हैं। वे वहां की समस्या का अंतर्राष्ट्रीयकरण कर देंगे, यह गृह मंत्रालय विदेश मंत्रालय से पत्र लिखकर पूछता है। महोदय, यह अखबारों के पहले पन्ने पर छपता है। ये आठों राजदूत वहां पर केवल विकास की बात नहीं करते, बल्कि वे वहां पर सिविल सोसायटी से मिलते हैं, नागा होहो से मिलते हैं, नागा अन्य संस्थाओं से मिलते हैं। उपसभाध्यक्ष महोदय, ये जरूर मिलें, ये हमारे अतिथि होते हैं, लेकिन क्या ये भारत सरकार के नियमों का उल्लंघन करके जायेंगे। वहां के जितने चर्च

* Not recorded.

आर्गनाइजेशन हैं, वे विभाजनकारी नागलिम का समर्थन कर रहे हैं, यह सरकार जानती है और यह होम मिनिस्ट्री की रिपोर्ट में आता है। मॉइकल स्काट ने 1964 में यह समझौता किया था, जो वहां के पादरी थे। चर्च वहां की समस्या की जड़ में है। यूरोपियन संघ से सबसे ज्यादा मदद वहां चर्च के संगठनों को मिलती है। अब वे नागालैंड में जाकर केवल उनसे मिलते हैं और भारत सरकार का गृह मंत्रालय किसी राजनैतिक पार्टी का गृह प्रकोष्ठ नहीं, सरकार का गृह मंत्रालय आपत्ति करता है, वे वहां पर क्यों गये, क्या करने के लिए वहां पर गये? उपसभाध्यक्ष महोदय, अब वे अरुणाचल प्रदेश जा रहे हैं।

हम मांग करते हैं कि सरकार इसके बारे में स्पष्टीकरण दे कि विदेशी राजदूतों को क्यों वहां पर इस तरह से भेजा गया? वे वहां क्या करने गये थे? वहां पर भारत के नागरिक नहीं जा सकते हैं। वहां पर इनर लाइन परमिट के बिना मैं नहीं जा सकता।

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : टाइम ओवर प्लीज़।

श्री तरुण विजय : वहां पर जाने की बहुत जटिल प्रक्रिया होती है। यह visa जैसा लगता है।

श्री थावर चन्द गहलोत (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इससे आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री ओम प्रकाश माथुर (राजस्थान) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्य : महोदय, हम इससे अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN) : Time over. Time over. Time over. Time over. ...(*Interruptions*)... All the names associating should be added ...(*Interruptions*)... Next, Shri Ram Vilas Paswan. ...(*Interruptions*)... All those names will be added.

Incident of throwing out of two students from a running train in Gujarat

श्री रामविलास पासवान (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, देश के हर नागरिक को यह अधिकार है कि वह देश के किसी भी भाग में जाकर रोजगार हासिल कर सकता है, लेकिन ऐसा देखने में आ रहा है कि आज देश के विभिन्न भागों में गरीब लोग रोजगार पाने के लिए जाते हैं, उनके ऊपर जुल्म और अत्याचार हो रहे हैं।

सर, मैं आपका ध्यान एक दर्दनाक घटना की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। दिनांक 13.05.2012 को रविवार के दिन, बिहार के छात्र राजीव महतो और राकेश महतो, गुजरात के रेलवे विभाग में चतुर्थ श्रेणी की नौकरी हेतु इंटरव्यू देने के लिए गए थे। जब वे लड़के इंटरव्यू देकर वापस लौट रहे थे तो गुजरात के कैनिज और महमदाबाद रेलवे स्टेशन के बीच तीन-चार लोगों ने आकर उनसे पूछा और उसके बाद उनका मोबाइल छीन लिया। जब उन्होंने विरोध किया तो चलती ट्रेन से उनको नीचे फैंक दिया। राजीव महतो की, जिसकी उम्र 25 वर्ष थी, तत्काल मृत्यु हो गई और दूसरा लड़का राकेश महतो अस्पताल में भर्ती है और पता नहीं उसकी क्या हालत है। नाडियाड रेलवे पुलिस ने इस घटना की FIR दर्ज की है। मैं समझता हूं कि देश में जो इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, ये देश की एकता और अखंडता के लिए बहुत ही खतरनाक हैं। आज देश में इस तरह की ताकतें उभर रही हैं, जो सहनशीलता को बढ़ावा न देकर, बिखरावावाद को बढ़ावा देने का काम कर रही हैं, इसलिए सरकार को इस तरह की चीजों को गंभीरता से लेना चाहिए।